छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

धनतेरस

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, शुक्रवार 6 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-128 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

दिल्ली में 3 मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत



नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। पुलिस और स्थष्ठ की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं।ष्ठष्ठ ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं।दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है।

4 राज्यों और 2 UTs में मतदाता सूची का होगा SSR, 21 जनवरी को आएगी फाइनल लिस्ट



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अगले साल एक जनवरी को अर्हता तिथि मानते हुए वोटर लिस्ट के स्पेशल समरी रिविजन का कार्यक्रम घोषित कर दिया है. इसके तहत अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम के अलावा चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में भी वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाएगा। इस बार यह भी व्यवस्था की गई है कि आधार कार्ड नहीं दिखाने की सूरत में वोटर्स का नाम नहीं काटा जाएगा।आयोग की ओर से कल 4 नवंबर को जारी निर्देश के अनुसार, इस प्रक्रिया का मकसद पात्र वोटर्स, खासकर युवाओं और पहली बार मतदान के योग्य नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराना है।

महाराष्ट्र में दूध उत्पादक संघ के चुनाव में महायुति की एंट्री



नई दिल्ली। कोल्हापुर जिला दूध उत्पादक संघ यानी गोकुल के अध्यक्ष पद को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। महाराष्ट्र में अमूल के बाद सबसे बड़े दूध उत्पादक संघों में शामिल गोकुल की सत्ता किसके हाथ में जाएगी, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। आज हुई महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में चार सरकारी मनोनीत संचालकों की नियुक्ति करने और उन्हें मतदान का अधिकार देने का फैसला लिया गया है। सरकार के इस फैसले से कांग्रेस विधायक सतेज पाटील के नेतृत्व वाले समविचारी गठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

'शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों का लाइसेंस रद्द हो', केरल हाईकोर्ट का सख्त निर्देश



नई दिल्ली। केरल हाईकोर्ट ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। कोर्ट ने नशे में गाड़ी चलाते पाए जाने वाले लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू करने में मोटर वाहन विभाग (एमवीडी) की अनिच्छा पर चिंता जताई। अदालत ने राज्य में लगातार हो रही जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ऐसे मामलों में मोटर वाहन विभाग को अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। जस्टिस कौसर एडप्पागाथ ने कहा कि अधिकारियों की ऐसी अनिच्छा कानूनी प्रावधानों के उस असर को भी कम कर देती है।



रोनाल्डो का इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास

पुर्तगाल के लिए 23 साल खेले, दुनिया में सबसे ज्यादा गोल किए; वर्ल्ड कप का सपना अधूरा रहा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। 41 साल के रोनाल्डो ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नवंबर के इंटरनेशनल ब्रेक के बाद वह पुर्तगाल की नंबर-7 जर्सी टीम को लौटा देंगे।रोनाल्डो का सफर 20 अगस्त 2003 को कजाकिस्तान के खिलाफ शुरू हुआ था। तब वह सिर्फ 18 साल के थे। अगले 23 साल में उन्होंने पुर्तगाल के लिए 234 मैच खेले और सबसे ज्यादा 146 गोल किए। उनके नाम 46 असिस्ट भी दर्ज हैं। असिस्ट का मतलब है गोल करने वाले खिलाड़ी को आखिरी पास देना।

6 वर्ल्ड कप खेलने वाले पहले खिलाड़ी

रोनाल्डो ने 2006 में जर्मनी में अपना पहला वर्ल्ड कप खेला था। इसके बाद वह 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026 के टूर्नामेंट में भी पुर्तगाल की टीम का हिस्सा रहे। इस तरह उन्होंने लगातार 6 वर्ल्ड कप खेले। वह छह अलग-अलग वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी भी बने।इन टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 27 मैच खेले और 11 गोल किए। 2026 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ गोल करके उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि, वर्ल्ड कप का खिताब उनके करियर में नहीं आया। पुर्तगाल का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2006 में रहा, जब टीम सेमीफाइनल तक पहुंची और चौथे स्थान पर रही।

2016 में पहली बार पुर्तगाल को यूरो चैंपियन बनाया

रोनाल्डो के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 2016 का यूरो कप खिताब शामिल है। यूरो कप यूरोप की राष्ट्रीय फुटबॉल टीमों के बीच होने वाला सबसे बड़ा टूर्नामेंट है।पुर्तगाल ने फाइनल में फ्रांस को 1-0 से हराकर पहली बार यह ट्रॉफी जीती थी। उनकी कप्तानी में पुर्तगाल ने 2019 और 2025 में श्वस्त्र नेशंस लीग का खिताब भी जीता। नेशंस लीग यूरोप की राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रतियोगिता है।

कलेक्टर ने तीन धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया

गौरेला-तरईगांव और खोडरी में तैयारियां देखीं; खरीदी शुरू होने से पहले व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. ने गौरेला, तरईगांव और खोडरी धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। खरीदी शुरू होने से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो।कलेक्टर ने केंद्रों में नए और पुराने बारदानों के स्टॉक, चबूतरों की स्थिति और परिसर की साफ-सफाई देखी। उन्होंने परिसर के गड्ढों को समतल कराने और धान खरीदी व भंडारण के लिए जगह व्यवस्थित रखने को कहा।उन्होंने संबंधित समितियों के गांवों, किसानों की संख्या और पंजीकृत रकबे की जानकारी लेकर खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की।तरईगांव केंद्र में व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को खरीदी शुरू होने से पहले सभी कमियां दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी केंद्रों पर खरीदे गए धान को व्यवस्थित रखने के लिए फड़ बनाने को भी कहा।



निरीक्षण के दौरान पेंड्रारोड के एसडीएम विक्रांत अंचल भी मौजूद थे।

खैरझिट्टी और करंगरा में वाहनों की जांच के निर्देश
खैरझिट्टी और करंगरा में वाहनों की जांच के निर्देश
एमपी सीमा के नाकों पर बढ़ेगी निगरानी
लेक्टर ने मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले की सीमा से लगे खैरझिट्टी और करंगरा जांच नाकों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अवैध धान परिवहन रोकने के लिए दोनों नाकों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। वाहनों की जांच के लिए गति अवरोधक लगाने और पहले से लगे सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत कर उन्हें चालू रखने को कहा।

विक्रांत अंचल भी उपस्थित रहे

कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। अवैध परिवहन रोकने और खरीदी में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। खरीदी शुरू होने से पहले सभी केंद्रों और सीमावर्ती नाकों पर व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं।निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के सीईओ मुकेश रावटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा और पेंड्रारोड एसडीएम विक्रांत अंचल मौजूद थे। वहीं, धान खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान एसडीएम विक्रांत अंचल भी

पचमढ़ी एडवेंचर कैम्प में जिले के 46 स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर करेंगे सहभागिता

जिला मुख्य आयुक्त डॉ. नीरज वी. जैन ने प्रतिभागियों को वितरित की किट



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के 46 स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर आगामी 12 से 16 नवंबर तक पचमढ़ी में आयोजित एडवेंचर कैम्प में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के साथ दो गाइडर एवं दो स्काउटर भी शिविर में शामिल होंगे। शिविर में सहभागिता की तैयारी के लिए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला मुख्य आयुक्त डॉ. नीरज वी. जैन ने सभी प्रतिभागियों को किट वितरित की। किट में ट्रैक सूट, बैग, कैप एवं पानी की बोतल प्रदान की गई। इस अवसर पर उन्होंने कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की ओर से प्रतिभागियों को शिविर में सफल सहभागिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।एडवेंचर कैम्प में भागीदारी से जिले के स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर को साहसिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं समूह में कार्य करने के कौशल को विकसित करने का अवसर मिलेगा। शिविर का अनुभव उन्हें आत्मनिर्भर बनने तथा चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा।

हार के बाद ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में बगावत

नेताओं ने रक्षा मंत्री को घेरा, बोले- ईरान जंग में फंसाया; टैरिफ से भी बिगड़ी बात

एजेंसी ➤ वॉशिंगटन

मिडटर्म चुनाव में हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में अंदरूनी नाराजगी सामने आने लगी है। टेक्सास के रिपब्लिकन नेता चैड विलबैंक्स ने ईरान युद्ध, टैरिफ और रूस के राष्ट्रपति पुतिन का पक्ष लेने वाले ट्रम्प के फैसलों को हार की वजह बताया। ट्रम्प के करीबी नेताओं ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर आरोप लगाया कि उन्होंने राष्ट्रपति को ईरान युद्ध में उलझा दिया, लेकिन इससे निकलने की कोई स्पष्ट योजना नहीं बनाई। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी माना कि ईरान युद्ध के कारण ट्रम्प के कई पुराने समर्थकों ने इस बार रिपब्लिकन पार्टी से दूरी बनाई।





अब तक 400 नेताओं के खिलाफ हुई कार्रवाई

राहुल गांधी की रैली से गायब रहने वालों पदाधिकारियों को भेजा जा रहा निलंबन लेटर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली से गायब रहने वाले लगभग 400 युवा कांग्रेस पदाधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। जबकि यूथ कांग्रेस ने 7 राज्यों में अब तक 185 से अधिक नेताओं को निलंबित किया है।दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित 'वोट चोरी' रैली से गायब रहना युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों को भारी पड़ रहा है। रैली में शामिल नहीं होने वाले नेताओं के खिलाफ संगठन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। भारतीय युवा कांग्रेस की ओर से 8 राज्यों में अब तक 215 से अधिक नेताओं को निलंबित किया जा चुका है,



इसमें सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश और गुजरात से आने वाले शामिल हैं।

टीवी9 के पास मौजूद सस्पेंशन लेटर के मुताबिक, शुरुआती कार्रवाई में सात राज्यों के 185 पदाधिकारियों को निलंबित किया गया था। इनमें मध्य प्रदेश के सबसे ज्यादा 60 और गुजरात के 49 पदाधिकारी शामिल थे। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 26, तेलंगाना में 14, उत्तर प्रदेश (मध्य) में 13, हिमाचल प्रदेश में 13 और हरियाणा में 10 पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई।जानकारी के मुताबिक, बाद में झारखंड समेत अन्य राज्यों के पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। 5 नवंबर तक सामने आई रिपोर्टों में आठ राज्यों में निलंबित पदाधिकारियों की संख्या 215 तक पहुंच गई है। इनमें युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव और जिला अध्यक्ष स्तर के नेता शामिल हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस का कहना है कि अभी कार्रवाई जारी है और ये आंकड़ा काफी बढ़ने वाला है।

राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों के बाद भी रैली से रहे गायब

दरअसल, युवा कांग्रेस ने अपने सभी राष्ट्रीय, राज्य और जिला-स्तरीय पदाधिकारियों को एक नवंबर को रामलीला मैदान में 'इंडिया' गठबंधन द्वारा आयोजित रैली और मार्च में शामिल होने का निर्देश दिया था। रैली में पदाधिकारियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था की थी। इसके लिए मोबाइल ऐप और बारकोड स्कैनर का इस्तेमाल किया गया।संगठन की समीक्षा में ऐप से पता चला कि रैली में कई राज्यों के पदाधिकारी शामिल नहीं हुए थे, जबकि उन्हें इसको लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। यूथ कांग्रेस ने इसे राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों की अवहेलना और संगठनात्मक अनुशासनहीनता करार दिया ।

न्यूज इन शॉर्ट

युवा रत्न सम्मान योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक बढ़ी

सारंगढ़-बिलाईगढ़। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित युवा रत्न सम्मान योजना 2026-27 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवंबर 2026 कर दी गई है। योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पूर्व में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित थी। पात्र आवेदक अब बढ़ी हुई अवधि का लाभ लेकर अपना आवेदन जिला खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।संशोधित समय-सारणी के अनुसार जिला स्तरीय समितियों द्वारा आवेदन आमंत्रित करने की अवधि 1 अक्टूबर से 15 नवंबर तक, आवेदनों के परीक्षण की अवधि 16 से 30 नवंबर तक तथा संचालनालय को आवेदन भेजने की अवधि 1 से 15 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। अंतिम सूची 1 जनवरी 2027 को जारी होगी तथा पुरस्कार वितरण 12 जनवरी 2027, राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया जाएगा। जिले के पात्र युवा एवं स्वैच्छिक संगठन निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करें।

धान खरीदी केंद्रों की निगरानी के लिए 95 अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया है। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने जिले के धान उपार्जन केंद्रों की सतत निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए कुल 95 अधिकारियों को जिला स्तरीय जोनल अधिकारी नियुक्त किया है।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर के निर्देशानुसार जारी आदेश में सारंगढ़, बरमकेला एवं बिलाईगढ़ क्षेत्र के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। इसमें अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, कृषि अधिकारी, खाद्य निरीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।नियुक्त जोनल अधिकारी अपने-अपने आवंटित धान उपार्जन केंद्रों की नियमित निगरानी करेंगे तथा खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, घटतौली एवं अव्यवस्था की स्थिति पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित कराने में आवश्यक समन्वय भी करेंगे।कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक शनिवार को संबंधित अधिकारी अपने आवंटित धान उपार्जन केंद्र का अनिवार्य रूप से भौतिक सत्यापन करेंगे तथा सत्यापन प्रतिवेदन कलेक्टर (खाद्य शाखा) कार्यालय में जमा करेंगे। वहीं, किसी अधिकारी का स्थानांतरण होने अथवा अन्य कारणों से पद रिक्त होने की स्थिति में उस पद पर पदस्थ अधिकारी की ड्यूटी स्वतः संबंधित धान उपार्जन केंद्र के लिए मानी जाएगी। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, घर से सागौन और साल की 80 नग अवैध लकड़ी जब्त

रायपुर। वन विभाग को विश्वसनीय सूत्रों से सटीक सूचना मिली थी कि ग्राम चिचाड़ी स्थित एक ग्रामीण ने अपने घर के भीतर अवैध रूप से सागौन और साल की लकड़ियों का भंडारण कर रखा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए उप वनमंडलाधिकारी केशकाल द्वारा नियमानुसार सर्च वारंट जारी किया गया। सर्च वारंट जारी होने के तुरंत बाद वन परिक्षेत्र बड़े राजपुर की टीम ने संबंधित ग्रामीण के मकान पर पहुंचकर दबिश दी और तलाशी ली।मकान परिसर की तलाशी के दौरान 66 नग सागौन चिरान और 14 नग साल चिरान बरामद हुए। वन अधिकारियों ने मौके पर ही गवाहों की मौजूदगी में विधिवत पंचनामा तैयार कर सभी 80 नग इमारती लकड़ियों को अपनी कस्टडी में लेकर जब्त कर लिया।

एमसीबी जिले में धान खरीदी की तैयारियां
तेज, 15 नवंबर से 28 केंद्रों में होगी खरीदी

19 सहकारी समितियों के अंतर्गत खरीदी व्यवस्था की समीक्षा, अपर कलेक्टर ने समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

अवैध धान परिवहन पर रहेगी कड़ी निगरानी, किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था पर विशेष जोर





खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिले में 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले की 19 सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित 28 धान उपार्जन केंद्रों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

15 नवंबर से 15 जनवरी तक होगी धान खरीदी बैठक में बताया गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की जाएगी। शासन द्वारा कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदा जाएगा। खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक होगी, जबकि शनिवार को समितियों द्वारा खरीदी, बारदानों के उपयोग एवं व्यय संबंधी जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज की जाएगी।

एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य, पात्र किसानों को न हो परेशानी: अपर कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को पात्र किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी एवं पंजीयन से संबंधित समस्याओं का समय रहते निराकरण किया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान धान विक्रय से वंचित न रहे। किसानों के रकबे का निर्धारण डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर किया जाएगा तथा सभी श्रेणियों के किसानों के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य रहेगा।

अवैध धान परिवहन रोकने सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी: अन्य राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर खरीदी केंद्रों में खपाने की आशंका को देखते हुए एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। नाका-बैरियरों पर जांच दल तैनात कर नियमित निगरानी करने तथा खरीदी प्रारंभ होने से पहले ही जांच व्यवस्था सक्रिय करने को कहा गया। अधिकारियों को अवैध धान परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के निर्देश भी दिए गए।

उपार्जन केंद्रों में तौल मशीन, बारदाना और इंटरनेट की व्यवस्था जरूरी: अपर कलेक्टर ने खाद्य एवं विपणन विभाग को सभी 28 उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापक यंत्र, पर्याप्त बारदाना, तिरपाल, कंप्यूटर, प्रिंटर, जनरेटर, यूपीएस एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा हमाल एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों की पर्याप्त उपलब्धता के साथ किसानों के लिए पेयजल, बैठने और छाया की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया। बैठक में बताया गया कि खरीदने के लिए धान में नमी की अधिकतम सीमा 17 प्रतिशत निर्धारित है। इससे अधिक नमी वाले अथवा अमानक धान की खरीदी नहीं की जाएगी। नए एवं पुराने जूट बारदाना का उपयोग 50:50 के अनुपात में होगा तथा प्रत्येक बोरी में 40 किलोग्राम धान भरा जाएगा।

बायोमेट्रिक सत्यापन से खरीदी, सीधे बैंक खाते में होगा भुगतान: धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन एवं कंप्यूटरीकृत रहेगी। किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य होगा।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव के लिए 10 नवंबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता रायगढ़ में 13 नवंबर को, प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपए

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में राज्य स्तरीय आदिवासी लोक कला महोत्सव का आयोजन आगामी 13 नवंबर को जिला मुख्यालय रायगढ़ में किया जाएगा। महोत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करने के लिए आदिवासी लोक कला नर्तक दलों से 10 नवंबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार 25 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे। जिले से प्राप्त प्रविष्टियों में से एक सर्वश्रेष्ठ दल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रायगढ़ भेजा जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक आदिवासी लोक कला नर्तक दल अपनी पूर्ण जानकारी, दल के सदस्यों की सूची एवं प्रस्तुति के संक्षिप्त विवरण के साथ प्रविष्टि कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में जमा कर सकते हैं। प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर 2026 को कार्यालयीन समय तक निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में आदिवासी विकास शाखा से संपर्क किया जा सकता है।

पुष्प अर्पित कर किया नमन, शोकाकुल परिजनों से मिलकर बंधाया ढांढस

दिवंगत विधायक स्व. श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दिवंगत विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बुधवार को बालोद जिले में उनके गृह ग्राम भेंड्रा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, सांसद श्री विजय बघेल, विधायक श्री ललित चंद्राकर, सतनामी समाज की गुरू दीदी प्रियंका, पूर्व विधायक श्री सांवलाराम डाहरे सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने दिवंगत स्व. श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का निधन समाज और जनजीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान, जनसेवा के प्रति समर्पण और लोगों से उनके आत्मीय जुड़ाव को सदैव याद किया जाएगा। उनका स्नेह, सरल व्यवहार और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता लोगों के हृदय में हमेशा बनी रहेगी।

इस दौरान सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, नगर पालिका दल्लीराजहरा के अध्यक्ष श्री तोरन लाल साहू, नगर पंचायत गुण्डरदेही के अध्यक्ष श्री प्रमोद जैन, कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

दीपावली की पूर्व संध्या पर चलेगा 'एक दीप साक्षरता का' जनजागरूकता अभियान

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत दीपावली की पूर्व संध्या पर शाम 6:30 से 7:30 बजे तक जिले में 'एक दीप साक्षरता का' जनजागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य असाक्षर वयस्कों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना तथा सामुदायिक सहभागिता से साक्षरता के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाना है। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा संबंधित अधिकारियों, प्राचार्यों और ग्राम प्रभारियों को आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत शासकीय विद्यालयों, छात्रावासों, विकासखंड कार्यालयों एवं उल्लास साक्षरता केंद्रों में दीप प्रज्वलित कर साक्षरता की शपथ ली जाएगी। शिक्षकों, स्वयंसेवी शिक्षकों और उल्लास एप पर पंजीकृत असाक्षरों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शिक्षा के महत्व का संदेश दिया जाएगा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 12 नवंबर को पेंड्रा में

विभिन्न विधाओं में प्रतिभा दिखाने का अवसर, विजेताओं को मिलेगा राज्य स्तर पर सहभागिता का मौका

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन आगामी 12 नवंबर को मल्टीपरपज असेंबली हॉल पेंड्रा में किया जाएगा। पूर्व में अक्टूबर माह में निर्धारित यह आयोजन तूफान के कारण स्थगित कर दिया गया था। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोक नृत्य, लोक गीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज (नशा मुक्त भारत), पारंपरिक वेशभूषा एवं रॉक बैंड विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। आयोजन के माध्यम से युवाओं को अपनी कला, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष तथा संगतकारों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित है। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 की स्थिति में की जाएगी। आयु सत्यापन के लिए प्रतिभागियों एवं संगतकारों को आधार कार्ड अथवा दसवीं की अंकसूची साथ लाना अनिवार्य है। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। विभिन्न विधाओं में चयनित दो विजेता दलों अथवा दो व्यक्तिगत प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

30 कलाकंद मौके पर ही नष्ट कराए, मिलावट की आशंका पर विभाग की पैनी नजर

त्योहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन जांच, मिठाइयों के 20 नमूने लिए

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़,

आगामी त्योहारी सीजन में आम नागरिकों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में मिठाई एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सारंगढ़, बिलाईगढ़ एवं बरमकेला विकासखंड के विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों में औचक जांच कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए।

निरीक्षण के दौरान पेड़ा, काजू कतली, शक्करपारा, मोतीचूर लड्डू, मिक्सचर, गुलाब जामुन सहित विभिन्न प्रकार की मिठाइयों एवं दुग्ध उत्पादों के कुल 20 नमूने जांच के लिए लिए गए। वहीं, कार्रवाई के दौरान 30 कलाकंद को मौके पर ही नष्ट कराया गया, ताकि उनका विक्रय एवं उपभोग न हो सके। संग्रहित नमूनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

साफ-सफाई और खाद्य गुणवत्ता बनाए रखने के दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठान संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के उचित भंडारण, गुणवत्ता एवं वैध खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही है।



लैब रिपोर्ट के आधार पर होगी वैधानिक कार्रवाई: खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संग्रहित नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन, मिलावट अथवा खाद्य पदार्थ असुरक्षित पाए जाने की स्थिति में संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान में अभिहित अधिकारी श्री भारत भूषण पटेल, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री नेमीचंद पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री वरुण पटेल एवं श्रीमती सुमन अग्रवाल शामिल रहे।

त्योहारी सीजन तक जारी रहेगा जांच अभियान

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले के सारंगढ़, बिलाईगढ़, बरमकेला सहित अन्य क्षेत्रों में भी लगातार निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान जारी रखने की बात कही गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि त्योहारों के दौरान मिठाइयां एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की मिलावट या अनियमितता की जानकारी मिलने पर खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित करें।

बकावंड के चार संकुल संगठनों को मिलीं मालवाहक व सवारी

संवाददाता ➤ जगदलपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बस्तर अंचल की ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली है। बुधवार को विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक के भव्य मंच से बकावंड विकासखंड के चारों प्रमुख संकुल स्तरीय संगठनों को आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजनांतर्गत मालवाहक एवं सवारी वाहनों की सौगात दी गई। इस अवसर पर आयोजित वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने करकमलों से महिला क्लस्टर संगठनों की दीदियों को वाहनों की चाबियां सौंपीं और उन्हें नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं



दीं।इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि बिहान से जुड़ी दीदियों का दायरा अब केवल घर की चहारदीवारी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे अब वाहन मालिक बनकर स्वयं परिवहन व्यवसाय का संचालन करने जा रही हैं। उन्होंने इसे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और बस्तर के सामाजिक बदलाव की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस योजनांतर्गत विकासखंड के बलिदान महिला क्लस्टर संगठन, रोशनी महिला क्लस्टर संगठन, तिरंगा महिला क्लस्टर संगठन और जागृति आजीविका महिला क्लस्टर संगठन को वाहन प्रदान किए गए हैं।

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण इलाकों में परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना है। इन वाहनों के संचालन से ग्रामीणों को गांव से लेकर हाट-बाजार, ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक सुरक्षित, सुलभ और सस्ती यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही, महिला समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पाद, वनोपज और कृषि सामग्री को आसानी से दूर-दराज के बाजारों तक पहुंचाया जा सकेगा, जिससे न केवल माल ढुलाई आसान होगी बल्कि क्लस्टर संगठनों को नियमित आय भी प्राप्त होगी।कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं खेल व युवा कल्याण सभापति श्री बनवासी मौर्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनबारी भद्रे, जनपद उपाध्यक्ष श्री तरुण पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जनपद सीईओ श्वेता साहू तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

19 सहकारी समितियों के अंतर्गत खरीदी व्यवस्था की समीक्षा,

एमसीबी जिले में धान खरीदी की तैयारियां तेज, 15 नवंबर से 28 केंद्रों में होगी खरीदी

अपर कलेक्टर ने समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने के दिए निर्देश

अवैध धान परिवहन पर रहेगी कड़ी निगरानी, किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था पर विशेष जोर

संवाददाता ➤ एमसीबी

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जिले में 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिले की 19 सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित 28 धान उपार्जन केंद्रों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया है कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

15 नवंबर से 15 जनवरी तक होगी धान खरीदी

बैठक में बताया गया कि जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक की जाएगी। शासन द्वारा कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। किसानों से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदा जाएगा। खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक होगी, जबकि शनिवार को समितियों द्वारा खरीदी, बारदानों के उपयोग एवं व्यय संबंधी जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज की जाएगी।

एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य, पात्र किसानों को न हो परेशानी

अपर कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को पात्र किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी एवं पंजीयन से संबंधित समस्याओं का समय रहते निराकरण किया जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान धान विक्रय से वंचित न रहे। किसानों के रकबे का निर्धारण डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर किया जाएगा तथा सभी श्रेणियों के किसानों के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य रहेगा।

अवैध धान परिवहन रोकने सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी

अन्य राज्यों से अवैध रूप से धान लाकर खरीदी केंद्रों में खपाने की आशंका को देखते हुए एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। नाका-बैरियरों पर जांच दल तैनात कर नियमित निगरानी करने तथा खरीदी प्रारंभ होने से पहले ही जांच व्यवस्था सक्रिय करने को कहा गया। अधिकारियों को अवैध धान परिवहन एवं भंडारण की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने के निर्देश भी दिए गए।

उपार्जन केंद्रों में तौल मशीन, बारदाना और इंटरनेट की व्यवस्था जरूरी

अपर कलेक्टर ने खाद्य एवं विपणन विभाग को सभी 28 उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापक यंत्र, पर्याप्त बारदाना, तिरपाल, कंप्यूटर, प्रिंटर, जनरेटर, यूपीएस एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा हमाल एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों की पर्याप्त उपलब्धता के साथ छाया की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु उपयोगी जनसंपर्क विभाग की पत्रिका 'जनमन'

मुख्यमंत्री कौशल प्रशिक्षण केंद्र में विद्यार्थियों को किया गया पत्रिका का वितरण

संवाददाता ➤ मुंगेली

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सामान्य ज्ञान के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों, विकास कार्यों और समसामयिक विषयों की जानकारी रखना भी महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'जनमन' विद्यार्थियों के लिए उपयोगी अध्ययन सामग्री के रूप में सामने आ रही है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री कौशल प्रशिक्षण केंद्र में विद्यार्थियों को पत्रिका 'जनमन' का वितरण किया गया। जनसंपर्क विभाग की इस मासिक पत्रिका में राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, जनहितकारी कार्यक्रमों, विकास कार्यों, नीतिगत निर्णयों और प्रदेश में संचालित महत्वपूर्ण पहलों से संबंधित जानकारी सरल एवं सहज भाषा में प्रकाशित की जाती है। इससे विद्यार्थियों को शासन की योजनाओं और प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों से अवगत होने का अवसर मिलता है।

समाजसेवी अजय पप्पू मोटवानी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भेजा प्रशंसा पत्र, आभार जताया

समाजसेवी अजय पप्पू मोटवानी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भेजा प्रशंसा पत्र, आभार जताया

संवाददाता ➤ मुंगेली

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कांकेर के समाजसेवी अजय पप्पू मोटवानी को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने व्यक्तिगत पत्र भेजकर उनके सेवा कार्यों की सराहना की है। पत्र मिलने पर श्री मोटवानी ने मुख्यमंत्री के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि अपनी दुकान की जिम्मेदारियों के साथ शहर की स्वच्छता और जरूरतमंदों की सहायता के लिए वर्षों से समय निकालने की उनकी लगन सराहनीय है। उन्होंने राज्य स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

पत्र में उल्लेख है कि श्री मोटवानी पिछले 13 वर्षों से दूध नदी की सफाई के प्रयास कर रहे हैं। दूध नदी और गढ़िया पहाड़ से जुड़े उनके इस लगाव को जानकर मुख्यमंत्री ने विशेष प्रसन्नता जताई। नदी और तालाबों की सफाई, पौधारोपण तथा पौधा वितरण में उनके योगदान को मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के



स्वच्छ भारत के संकल्प को स्थानीय स्तर पर आगे बढ़ाने वाला बताया। मुख्यमंत्री ने उनकी संवेदनशीलता की भी प्रशंसा की। श्री मोटवानी अब तक 164 लावारिस मृतकों को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दे चुके हैं। इस सेवा के प्रति मुख्यमंत्री ने हृदय से सम्मान व्यक्त किया। पत्र में बीसोबाई का भी जिक्र है। आँखों की परेशानी के समय श्री मोटवानी की आर्थिक मदद और ऑपरेशन कराने में सहयोग से वे दोबारा काम करने लगी हैं। मुख्यमंत्री ने इस पर खुशी जताई। साथ ही आजीवन सेवा से जुड़े रहने और इन कार्यों के लिए किसी से चंदा न लेने के उनके संकल्प का भी सम्मान किया।मुख्यमंत्री ने लिखा कि श्री मोटवानी कांकेर को स्वच्छ और सुंदर देखने के साथ यहाँ रोजगार और विकास के बेहतर अवसर चाहते हैं।

शाला त्यागी एवं विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ें: कलेक्टर

महासमुंद। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, महासमुंद के तत्वावधान में जिले के 184 संकुल समन्वयकों एवं बीआरसीसी का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 'लइका चिन्हारी ऐप' के माध्यम से शाला त्यागी एवं विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि संकुल समन्वयक अपने-अपने संकुल के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के भवनों की स्थिति का गंभीरता से निरीक्षण करें। जहां भवन मरम्मत अथवा अतिरिक्त कक्ष की आवश्यकता हो, वहां तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करें। इसी प्रकार जिन विद्यालयों में शौचालय की आवश्यकता है, उनके लिए भी प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने कहा कि तिमाही परीक्षा के उपरांत सभी कक्षाओं के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की जाए तथा कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को उपचारात्मक शिक्षण (रेमेडियल टीचिंग) के माध्यम से उनकी कमियों को दूर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। विद्यालयों में बच्चों एवं शिक्षकों की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिक्षक बच्चों के रोल मॉडल होते हैं, इसलिए विद्यालय में शिक्षकों को अपनी गरिमा, आचरण एवं मर्यादा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कलेक्टर ने अपार आईडी से वंचित विद्यार्थियों के लिए विशेष अभियान चलाने, बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनवाने में सहयोग करने तथा प्रत्येक विद्यालय में किचन गार्डन विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई-लिखाई एवं विषयों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए किया जाना चाहिए।

राजस्व कार्यों में लापरवाही बरतने हड़ताल में शामिल पांच पटवारी निलंबित

महासमुंद। कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश पर किसानों के राजस्व संबंधी कार्यों में लापरवाही एवं पंजीयन पीवी सत्यापन तथा डीसीएस सर्वे में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर हड़ताल में शामिल जिले के 5 पटवारियों को संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा निलंबित किया गया है।

जारी आदेश के तहत बागबाहरा तहसील अंतर्गत श्री भंगी राम ध्रुव, श्री कमलेश डहरे, श्री नीरज कुमार वर्मा एवं बसना अनुविभाग के श्री तिलक राम चैधरी तथा सरायपाली अनुविभाग अंतर्गत दमयंती नायक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

शराब के नशे में विद्यालय पहुंचे प्रधानाध्यापक निलंबित

उत्तर बस्तर कांकेर, शासकीय कार्य अवधि के दौरान शराब के नशे की हालत में विद्यालय पहुंचने के मामले में विकासखण्ड दुर्गूकोंदल अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मंगहूर के प्रधानाध्यापक श्री अशोक कुमार बेलसरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 04 नवम्बर 2026 को श्री बेलसरिया के नशे की हालत में विद्यालय पहुंचने के संबंध में थाना प्रभारी, बड़गांव को लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया तथा मामले में एफआईआर दर्ज की गई। सिविल हॉस्पिटल पखांजूर के चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी एमएलसी रिपोर्ट के अनुसार, शासकीय कार्य अवधि के दौरान अपरान्ह 3.45 बजे श्री बेलसरिया शराब के नशे की हालत में पाए गए। शासकीय कार्य अवधि में इस प्रकार नशे की हालत में विद्यालय पहुंचना छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम के प्रावधानों के विपरीत पाया गया। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कांकेर द्वारा निलंबन की कार्रवाई के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बस्तर, जगदलपुर द्वारा श्री अशोक कुमार बेलसरिया को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, नरहरपुर जिला

रायपुर के वार्ड-13 को मिली बड़ी सौगात, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

रायपुर ⁻छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उत्तर विधानसभा क्षेत्र में बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक नई पहल हुई है। राजीव गांधी वार्ड क्रमांक-13 में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे और निगम सभापति सूर्यकांत राठौर सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए। नए आंगनबाड़ी केंद्र की सौगात मिलने पर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने क्षेत्रवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के बेहतर भविष्य की आधारशिला हैं। इनके माध्यम से बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बचपन में मिलने वाला उचित पोषण, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा आगे चलकर बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं। विधायक ने विश्वास जताया कि नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र से राजीव गांधी वार्ड के नन्हे बच्चों और माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। 11.69 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से तैयार हुआ भवन नगर निगम से संबंधित प्रकाशित जानकारी के अनुसार, रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक-2 अंतर्गत राजीव गांधी वार्ड में साहूपारा तालाब के पास नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण जिला खनिज न्यास निधि के तहत लगभग 11 लाख 69 हजार रुपए की स्वीकृत लागत से कराया गया है। नए भवन से आंगनबाड़ी गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। इससे बच्चों के लिए निर्धारित सेवाओं को सुविधाजनक वातावरण में संचालित करने में सहायता मिल सकती है। माताओं और बच्चों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्देश्य छोटे बच्चों को पोषण और शुरुआती शिक्षा से जोड़ने के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को मजबूत बनाना है। इन केंद्रों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को निर्धारित योजनाओं के अनुसार पोषण संबंधी सहायता, स्वास्थ्य जागरूकता और प्रारंभिक बाल शिक्षा जैसी सेवाओं का लाभ मिलता है। राजीव गांधी वार्ड में नया भवन उपलब्ध होने से स्थानीय परिवारों को इन सेवाओं से जोड़ने के प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।



महापौर मीनल चौबे सहित जनप्रतिनिधि रहे मौजूद लोकार्पण कार्यक्रम में रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, एमआईसी सदस्य एवं वार्ड पार्षद महेंद्र खोडियार, एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल और एल्डरमैन गोपाल सोना सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पारदर्शी और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम सभा में सहायक आंतरिक लेखा एवं करारोपण अधिकारी को स्वतंत्र पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया है।

पारदर्शिता और जन-भागीदारी के साथ जिले की 50 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण कार्य प्रगति पर

संवाददाता ➤ महासमुंद

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और ग्रामीण जन-भागीदारी को सुदृढ़ करने महासमुंद जिले में सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी है। संचालक, छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई रायपुर द्वारा दिए गए निर्देशों और अनुमोदित कार्ययोजना के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले की कुल 551 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण संपादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।



लिया गया है, जबकि शेष 248 ग्राम पंचायतों में से प्रथम चरण के अंतर्गत 50 ग्राम पंचायतों में अंकेक्षण की कार्यवाही द्रुत गति से संचालित की जा रही है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के आदेशानुसार जिले के पांचों जनपद पंचायतों पिथौरा, बागबाहरा, बसना, सरायपाली और महासमुंद की चिह्नित 50 ग्राम पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा सघन भौतिक सत्यापन किया जा रहा है।इसके अंतर्गत वीबी जी राम जी योजना के तहत विगत वित्तीय वर्षों में निष्पादित कार्यों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों का कार्यस्थल निरीक्षण, मजदूरों का घर-घर सत्यापन, अभिलेखों की सूक्ष्म जांच और सर्वे का कार्य शामिल है। प्रक्रिया को पूर्णतः निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए 04 से 07 दिवसीय सामाजिक अंकेक्षण के उपरांत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर अंकेक्षण प्रतिवेदन का वाचन किया जाएगा, जिसमें पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों और जांच प्रतिवेदनों को भी शामिल किया जाएगा। पारदर्शी और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम सभा में सहायक आंतरिक लेखा एवं करारोपण अधिकारी को स्वतंत्र पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया है। साथ ही विभिन्न जनपद पंचायतों हेतु पृथक-पृथक ब्लॉक अंकेक्षण दल प्रमुख नियुक्त किए गए हैं जो संपूर्ण प्रक्रिया का समन्वय कर रहे हैं। जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत महासमुंद द्वारा समस्त ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और संबंधित कार्य एजेंसियों से अपील की गई है कि वे ग्राम सभाओं में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराकर कोरम पूर्ति सुनिश्चित करें और शासकीय योजनाओं के सोशल ऑडिट के इस महाअभियान को सफल बनाएं।

टैक्सी चालकों की हड़ताल, यात्रियों के लिए एयरपोर्ट डायरेक्टर ने किया बस का इंतजाम



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों ने किराया बढ़ाने की मांग को लेकर आज हड़ताल कर दी है। टैक्सी सेवाएं प्रभावित होने से यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए एयरपोर्ट डायरेक्टर मोहम्मद आरिफ ने यात्रियों की सुविधा के लिए बस की व्यवस्था कराई है।जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट पर संचालित टैक्सी सेवाओं से जुड़े चालकों ने किराए में बढ़ोतरी की मांग को लेकर हड़ताल शुरू की है। टैक्सी चालकों की हड़ताल के कारण एयरपोर्ट पहुंचने और यहां से अपने गंतव्य तक जाने वाले यात्रियों को असुविधा हो रही है।यात्रियों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट प्रबंधन ने वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था की पहल की है। एयरपोर्ट डायरेक्टर मोहम्मद आरिफ ने यात्रियों के आवागमन के लिए बस का इंतजाम कराया है, ताकि टैक्सी चालकों की हड़ताल के दौरान यात्रियों को राहत मिल सके।

न्यूज इन शॉर्ट

बस्तर के सखी वन स्टॉप सेंटर में सुरक्षा गार्ड पदों पर सीधी भर्ती

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विभाग के अंतर्गत संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर में सेवा प्रदाता के रूप में सुरक्षा गार्ड/नाइटगार्ड (महिला) के दो रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन सीधे वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा।

इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं पास रखी गई है, तथा चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 11,360 रुपए (लेवल-1) का एकमुश्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। इच्छुक और योग्य महिला अभ्यर्थी बुधवार 18 नवंबर को प्रातः 10 बजे आयोजित होने वाले वॉक-इन इंटरव्यू में सीधे सम्मिलित हो सकती हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अनुभव प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ-साथ उनकी एक सेट स्व-प्रमाणित छायाप्रति लाना अनिवार्य है। भर्ती नियम, शर्तें एवं विस्तृत दिशा-निर्देश कार्यालय के सूचना पटल अथवा बस्तर जिले की आधिकारिक वेबसाइट इंजंतण्हवअण्पद पर देखे जा सकते हैं।

स्वरोजगार और कौशल विकास को मिला प्रोत्साहन, राजोत्सव में प्रशिक्षणार्थियों ने प्रदर्शित किए हुनर से तैयार उत्पाद

धमतरी। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर एकलव्य खेल परिसर, धमतरी में आयोजित जिला स्तरीय राजोत्सव कार्यक्रम में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आरसेटी), धमतरी द्वारा स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष प्रदर्शनी एवं विक्रय स्टॉल लगाया गया। स्टॉल के माध्यम से संस्थान से प्रशिक्षित हितग्राहियों ने अपने हुनर और कौशल से तैयार विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर उनका विक्रय किया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने लगभग 10 हजार रुपये के उत्पादों की बिक्री कर अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुरूद विधायक श्री अजय चंद्राकर सहित कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने बड़ौदा आरसेटी सहित विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की। उन्होंने युवाओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को अपने कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार स्थापित करने, उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा विपणन के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

बड़ौदा आरसेटी के स्टॉल में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित होममेड अगरबत्ती, मोमबत्ती, पापड़, अचार, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सॉफ्ट टॉयज, साबुन, फिनाइल एवं वाशिंग पाउडर सहित अनेक उपयोगी उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन उत्पादों को आगंतुकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। प्रशिक्षणार्थियों के लिए यह आयोजन अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने, ग्राहकों से सीधे संवाद करने और व्यावसायिक पहचान विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर बना।बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (आरसेटी) धमतरी द्वारा युवाओं एवं इच्छुक हितग्राहियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन प्रशिक्षण, सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम, प्लंबिंग एवं सैनिटरी कार्य, राजमिस्त्री, फास्ट फूड स्टॉल संचालन, इलेक्ट्रिकल कार्य, मुर्गीपालन, मोमबत्ती निर्माण, पशुपालन, असिस्टेंट बुककीपर, ब्यूटी पार्लर सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण संचालित किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल के साथ व्यवसाय शुरू करने एवं उसका संचालन करने की जानकारी भी दी जाती है।इसी प्रकार जिला परियोजना आजीविका महाविद्यालय, धमतरी के माध्यम से भी युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यहां असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, फील्ड टेक्नीशियन एयर कंडीशनर, सिक्योरिटी गार्ड, जल वितरण संचालक (मल्टी स्किल), रिटेल सेल्स असिस्टेंट, टैक्सी ड्राइवर, फील्ड टेक्नीशियन कंप्यूटिंग एंड पेरिफेरल्स, डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर तथा सिलाई मशीन ऑपरेटर जैसे पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके साथ ही विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के अंतर्गत युवाओं को उनकी रुचि एवं बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में कौशल विकास, आजीविका संवर्धन एर्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भगत सिंह तिराहे से शुरू हुई पदयात्रा खेड़िया तिराहे पर हुई संपन्न, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित कई दिग्गज नेता हुए शामिल

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ भाजपा ने निकाली पदयात्रा

संवाददाता ➤ एमसीबी

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ पदयात्रा का आयोजन किया गया। भगत सिंह तिराहे से शुरू हुई इस पदयात्रा में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले तथा सरगुजा प्रभारी एवं पूर्व विधायक अवधेश चंदेल प्रमुख रूप से शामिल हुए।पदयात्रा में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक और आम नागरिक मौजूद रहे। पदयात्रा के दौरान भाजपा



कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। हाथों में विभिन्न नारों और संदेशों से लिखी तख्तियां लेकर कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ आगे बढ़े और नारेबाजी करते हुए लोकतंत्र की रक्षा तथा अराजकता के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की।इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक रेणुका सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले एवं पूर्व विधायक अवधेश चंदेल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने आयोजन को विशेष स्वरूप दिया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए पार्टी के राजनीतिक संदेश को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया।भगत सिंह तिराहे से प्रारंभ हुई यह पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए खेड़िया तिराहे पहुंची। यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के समीप पहुंचकर भाजपा नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके पश्चात पदयात्रा का समापन किया गया।

इस दौरान आमसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश के स्वास्थ्यमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस झूठ फैलाकर सत्ता पाना चाहती है।

संबंध को रेखांकित करते हुए

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा दिनांक 01 नवम्बर से 07 नवम्बर 2026 तक (सतत जीवनशैली सप्ताह) का आयोजन



संवाददाता ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा दिनांक 01 नवम्बर से 07 नवम्बर 2026 तक (सतत जीवनशैली सप्ताह) का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, स्वच्छता एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा रेलकर्मियों एवं आम नागरिकों को दैनिक जीवन में सतत विकास की अवधारणा अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस अभियान के प्रथम चार दिनों (01 से 04 नवम्बर 2026) के दौरान रायपुर मंडल में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के दौरान रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों/ कार्यालयों पर प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार रहीं

प्रथम दिवस - 01 नवम्बर 2026ः अभियान के प्रथम दिवस स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। रेलकर्मियों एवं आम नागरिकों को योग एवं नियमित व्यायाम करने, पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा दैनिक जीवन में शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल के माध्यम से स्वस्थ शरीर एवं स्वच्छ पर्यावरण के बीच आपसी संबंध को रेखांकित करते हुए।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की समीक्षा बैठक

योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, 77 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय पूर्ण

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मुख्यालय, नवा रायपुर अटल नगर में आज मंडल की योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने की। इस अवसर पर मंडल आयुक्त श्री अवनीश कुमार शरण सहित मुख्यालय एवं विभिन्न प्रक्षेत्रों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मंडल द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं, जिनमें अटल विहार योजना, सामान्य आवास योजना, प्रधानमंत्री सह मुख्यमंत्री आवास योजना, निक्षेप कार्य, रिडेवलपमेंट योजना तथा वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 शामिल हैं, की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने प्रत्येक परियोजना की पृथक-पृथक एवं विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनावार प्रगति, निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, पूर्ण एवं निर्माणाधीन इकाइयों, वित्तीय प्रगति, संपत्तियों के विक्रय तथा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक



समस्याओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने प्रत्येक परियोजना की निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता सुनिश्चित करने, लंबित कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में जानकारी दी गई कि मंडल की कुल संपत्तियों में से अब तक लगभग 77 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय किया जा चुका है। वहीं वर्तमान में मंडल की 888 करोड़ रुपये की बुकिंग लाइव है।मंडल द्वारा शहरी क्षेत्रों में आवासीय परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग एवं पुनर्विकास के उद्देश्य से 10 रिडेवलपमेंट योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इनमें से 5 योजनाओं के टेंडर जारी किए जा चुके हैं, जबकि शेष 5 योजनाओं को मंत्रिपरिषद से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

बैठक में वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 65 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। वहीं दुर्ग एवं बिलासपुर प्रक्षेत्रों द्वारा लगभग 80 प्रतिशत से अधिक बुकिंग का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। मंडल अध्यक्ष ने बेहतर प्रदर्शन करने वालेभी बुकिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए।

भाला फेंक में भावेश कुमार ने जीता रजत, रिले रेस में इंद्रजीत सहारे ने हासिल किया कांस्य पदक

उत्तर बस्तर कांकेर। बस्तर ओलंपिक की विभिन्न खेल स्पर्धाओं में रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कांकेर के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में महाविद्यालय के छात्र भावेश कुमार ने भाला फेंक (जैवलिन थ्रो) स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। वहीं छात्र इंद्रजीत सहारे ने रिले रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। इसके अलावा महाविद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थी माणिक लाल एवं हिमांशु चौबे ने भी विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस गौरवमयी उपलब्धि पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दीवाली के उल्लास में बिखरी परचनपाल की हस्तकला की महक

श्रीमती शोभा बघेल के सीसल शिल्प ने बढ़ाई त्योहारों की रौनक

स्वावलंबन से रोशन हो रहे सैकड़ों घर

संवाददाता ➤ जगदलपुर

आगामी दीवाली और अन्य प्रमुख त्योहारों की आहट के साथ ही बाजारों में स्थानीय कला और पर्यावरण-अनुकूल हस्तनिर्मित उत्पादों की रौनक देखते ही बन रही है। इस त्योहारी माहौल में परचनपाल की ख्यातिप्राप्त हस्तशिल्प कलाकार श्रीमती शोभा बघेल द्वारा सीसल के प्राकृतिक रेशों से तैयार किए गए कलात्मक बैग और आकर्षक सजावटी उत्पाद आमजन की पहली पसंद बनकर उभरे हैं। उपहारों के आदान-प्रदान और घरों की साज-सज्जा के लिए इन कलाकृतियों की बढ़ती मांग के बीच शोभा बघेल ने



नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की भावुक अपील की है। उनका कहना है कि पर्व-त्योहारों पर बाजार के सामान्य सामानों के बजाय यदि लोग स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प को अपनाएं, तो उत्सवों की खुशियां दोगुनी हो जाती हैं। इससे न केवल पारंपरिक कला को सम्मान मिलता है, बल्कि दिन-रात पसीना बहाकर इन अनुपम कृतियों को तराशने वाले स्थानीय शिल्पकारों और उनके परिवारों के जीवन में भी वास्तविक खुशहाली और आर्थिक समृद्धि का उजाला फैलता है। शोभा बघेल की यह सफलता उनकी अटूट इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और पारंपरिक हुनर के अनूठे संगम की कहानी बयां करती है। उनके इस प्रेरणादायी सफर की शुरुआत वर्ष 2004 में हुई थी, जब उन्होंने हस्तशिल्प विकास बोर्ड से सीसल के रेशों से हस्तशिल्प तैयार करने का प्रशिक्षण हासिल किया था। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने सीसल के मजबूत और प्राकृतिक रेशों को चोटी की तरह बारीक गूंथकर बैग, दीवार सज्जा, टेबल मैट और उपहार योग्य करीब 40 से 50 प्रकार की बेहद आकर्षक व टिकाऊ कलाकृतियां बनाना शुरू किया। समय बीतने के साथ उनकी इस अनूठी कला को व्यापक पहचान मिलने लगी और आज उनके उत्पादों की मांग चित्रकोट, शबरी एम्पोरियम, राज्योत्सव तथा सरस मेलों जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर बड़े पैमाने पर हो रही है। बड़ी संख्या में लोग सीधे उनके घर पहुंचकर भी खरीदारी करना पसंद करते हैं, जिससे उन्हें प्रतिमाह 15 हजार से 20 हजार रुपये तक की नियमित और सम्मानजनक आय हो रही है। अपनी पारिवारिक आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के साथ-साथ शोभा बघेल ने समाज के प्रति अपने दायित्व को भी पूरी निष्ठा से निभाया है।

बिहान से जुड़कर सरगम उत्पादक समूह की 36 महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर, 'वोकल फॉर लोकल' को दे रहीं नई पहचान

गोबर के दीयों से रोशन हो रही महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह

संवाददाता ➤ उत्तर बस्तर कांकेर

दीपावली के अवसर पर जब हर घर रोशनी से जगमगाने की तैयारी में है, तब जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम भिलाई की महिलाएं अपने हाथों से तैयार प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीयों से न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह भी प्रकाशित कर रही हैं।

चारामा विकासखण्ड के ग्राम भिलाई के सरगम उत्पादक समूह, बिहान से जुड़कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। वर्ष 2016 में महज 10 महिलाओं से शुरू हुआ यह समूह आज 36 महिलाओं को आजीविका से जोड़ चुका है।



गोबर से तैयार होते हैं सुंदर और प्राकृतिक दीपक

समूह की महिलाएं गोबर से दीये तैयार करने की पूरी प्रक्रिया स्वयं करती हैं। गोबर को एकत्रित कर उसे अच्छी तरह तैयार किया जाता है और आवश्यक सामग्री के साथ मिश्रण बनाकर सांचों की सहायता से विभिन्न आकार के दीये तैयार किए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सुखाया जाता है और बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। प्राकृतिक सामग्री से बने ये दीये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय हुनर की पहचान भी है। समूह की सदस्य श्रीमती सुभद्रा नागराज बताती हैं कि वर्ष 2022 में उन्हें गोबर के दीये बनाने की प्रेरणा मिली। पहले वर्ष महिलाओं ने करीब 10 हजार दीये तैयार किए, जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस सफलता ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और धीरे-धीरे यह कार्य समूह की आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया।इस वर्ष अब तक बिक चुके हैं 11 हजार से अधिक दीये

समूह की सदस्य श्रीमती ममता नागराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए 11 हजार 400 गोबर के दीये अब तक बेचे जा चुके हैं। दीपावली को देखते हुए लगातार नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, जिसके कारण महिलाएं उत्पादन बढ़ाने में जुटी हुई हैं। वर्तमान में समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 दीये तैयार कर रही हैं। इन दीयों की बिक्री सी-मार्ट, स्थानीय हाट-बाजारों और अन्य स्थानों के माध्यम से की जा रही है। समूह को रायपुर से भी ऑर्डर मिलने की जानकारी मिली है, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। एक समूह, आजीविका के कई अवसर

सरगम उत्पादक समूह केवल गोबर के दीये ही नहीं बनाता, बल्कि महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपनी मेहनत के बल पर आय के कई साधन विकसित किए हैं। समूह द्वारा आम का अमचूर पाउडर, इमली का संग्रहण एवं प्रसंस्करण, आम का अचार, राखी निर्माण और मशरूम उत्पादन जैसे कार्य भी किए जाते हैं। तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ सी-मार्ट के माध्यम से भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

मशरूम उत्पादन से भी बढ़ी आय

समूह की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की है। महिलाओं ने लगभग 4 हजार रुपये की लागत से मशरूम उत्पादन किया और उसे 7 हजार रुपये में बेचकर करीब 3 हजार रुपये का लाभ अर्जित किया। कम समय में हुए इस लाभ लिए बैंक से 02 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ।

केएल राहुल दोनों पारियों में 4 रन बना सके



एजेंसी ■ लिंकन

इंडिया ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट के दूसरे दिन दूसरी पारी में वापसी की। पहली पारी में 113 रन पर सिमटने के बाद टीम ने 10 रन पर दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। स्टंप्स तक स्कोर 106/2 है।देवदत्त पडिक्कल 56 और साई सुदर्शन 39 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 96 रन की पार्टनरशिप हो चुकी है।केएल राहुल दोनों पारियों में 4 रन ही बना सके। राहुल पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे। जबकि यशस्वी जायसवाल दूसरी पारी में 5 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड ए ने पहली पारी में 317 रन बनाकर 204 रन की बढ़त हासिल की थी।

न्यूजीलैंड ने शनिवार को टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी।

न्यूजीलैंड ने शनिवार को टॉस जीतकर भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी।

मारियू ने 76 और फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन बनाए

सुबह कीवियों ने 135/3 के स्कोर से खेला शुरू किया। न्यूजीलैंड के कप्तान राइस मारियू ने 76 रन की पारी खेली। उन्होंने 137 गेंदों का सामना करते हुए 12 चौके लगाए।डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 79 गेंदों पर 51 रन बनाए। कर्टिस हीफी ने 44 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 42 रन का योगदान दिया।

इंडिया ए की ओर से अंशुल कंबोज और औकिब नबी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि आकाश दीप ने 2 विकेट हासिल किए।

5 भारतीय बैटर्स पहली पारी में खाता नहीं खोल सके

मैच के पहले दिन शनिवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की पहली पारी 39.3 ओवर में 113 रन पर सिमट गई।टीम के 5 बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके। इनमें केएल राहुल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप और मुकेश चौधरी शामिल रहे।

यश राठौड़ ने सबसे ज्यादा नाबाद 44 रन बनाए, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 32 रन की पारी खेली।

दिल्ली से विशाखापट्टनम शिफ्ट हुआ भारत-श्रीलंका पहला वनडे



भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाला पहला वनडे अब दिल्ली में नहीं, बल्कि विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। गुरुवार को वेन्यू बदलने की जानकारी दी।इससे पहले दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने संभावित मौसम संबंधी परेशानी और स्टेडियम में प्रस्तावित रेनोवेशन यानी मरम्मत और सुधार कार्य को देखते हुए मैच का वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था।

नेपाल प्रीमियर लीग से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर संकट



एजेंसी ■ नई दिल्ली

नेपाल प्रीमियर लीग शुरू होने से ठीक पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने लीग में खेलने वाले खिलाड़ियों के नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की अनुमति रोक दी है। लीग की शुरुआत 26 अक्टूबर से होनी है।

खिलाड़ी के लिए करीब 25 हजार अमेरिकी डॉलर की फीस मांग सकता है। हालांकि, इस रकम की मांग को लेकरओर से कोई लिखित सूचना होने की पुष्टि नहीं हुई है।कसी खिलाड़ी को दूसरे देश की लीग में खेलने के लिए उसके क्रिकेट बोर्ड की ओर से दी जाने वाली अनुमति है। विदेशी टी-20 लीग में खेलने के लिए केवल फ्रेंचाइजी से अनुबंध करना पर्याप्त नहीं होता। खिलाड़ी को अपने राष्ट्रीय बोर्ड की शर्तें भी पूरी करनी होती हैं।यह मामला इसलिए भी अहम है, क्योंकि हक्क सोमवार, 26 अक्टूबर से 21 नवंबर तक खेली जानी है। आठ टीमों की इस लीग के मुकाबले काठमांडू में होने हैं और कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ी पहले ही नेपाल पहुंच चुके हैं।रिपोर्ट में पाकिस्तान के टी-20 कप्तान साहिबजादा फरहान, हैदर अली, हुनैन शाह, हुसैन तलत, इफ्तिखार अहमद, हसन अली और उसामा मीर के नाम शामिल हैं।इनमें साहिबजादा फरहान पाकिस्तान की टी-20 टीम के कप्तान हैं।

:जापान को 4-1 से हराया; 0-1 से पिछड़ने के बाद आखिरी 15 मिनट में दागे 3 गोल

भारत छठी बार हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का खिताब जीत लिया है। गुरुवार को मोहाली में खेले गए फाइनल में भारत ने जापान को 4-1 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम छठी बार इस टूर्नामेंट की चैंपियन बनी। साथ ही उसने लगातार तीसरी बार खिताब जीता। भारत ने इससे पहले 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी जीती थी।

फाइनल में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जापान ने तीसरे मिनट में गोल करके बढ़त बना ली। तीसरे क्वार्टर के आखिरी में शिलानंद लाकड़ा ने गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आखिरी 15 मिनट में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन गोल दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।



भारत हाफ टाइम तक गोल नहीं कर सका

मैच शुरू होने के तीसरे मिनट में जापान के काजुमासा मात्सुमोतो ने रिवर्स हिट से फील्ड गोल किया। भारत ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन जापान का डिफेंस काफी मजबूत रहा। दूसरे क्वार्टर में भी जापान ने भारतीय खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। हाफ टाइम तक जापान 1-0 से आगे था।42वें मिनट में शिलानंद का गोल

42वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत का फ्लिक जापानी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके बाद आदित्य लालागे ने शिलानंद लाकड़ा को पास दिया। शिलानंद ने नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

फेस्टिव सीजन में कारों का धमाका



नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो अक्टूबर में कई लॉन्चेज होने वाले हैं. फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए तमाम कंपनियों ने अपनी तैयारी कर ली हैं। टोयोटा, होंडा, हुंडई, स्कोडा और रेनो अपनी नई कारों को इस महीने मार्केट में उतारने वाले हैं। इस महीने हमें 5 मास मार्केट गाड़ियां देखने को मिलेंगी। इस लिस्ट में हैचबैक से लेकर एसयूवी और सेडान तक शामिल हैं। ऐसे में नई कार खरीदने वालों को थोड़ा इंतजार कर लेने से बेहतर विकल्प या बेहतर डील दोनों मिल सकती है।

धनतेरस से पहले सेंसेक्स 2009, निफ्टी 576 अंक उछला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

धनतेरस से एक दिन पहले आज 5 नवंबर को सेंसेक्स 2009 अंक या 2.60त्न चढ़कर 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत ?8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई।निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40त्न की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया।ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट-ईरान जंग जल्द खत्म होने की संभावना से ब्रेंट क्रूड टूटकर 94 डॉलर और अमेरिकी ड्ब्ल्यूढ़ क्रूड 87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।



भारत अपनी जरूरत का 80त्न से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल सस्ता होने पर देश का आयात बिल घट सकता है, जो इकोनॉमी को मजबूती दे सकता है।

3. कंपनियों के अच्छे तिमाही नतीजे- सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों से सेंटिमेंट सुधरा है। रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है।

सेंसेक्स के टॉप 30 में शामिल कंपनियों के शेयरों में बढ़त से ही सेंसेक्स बढ़ता है। गुरुवार को इनमें से ज्यादातर कंपनियों के शेयरों में उछाल आया है।

अब बिना कोर्ट-ऑर्डर अरेस्ट नहीं कर पाएंगे; GST कानून में सुधार की तैयारी

टैक्स अधिकारियों से छिनेगा गिरफ्तारी का अधिकार

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल 7 अक्टूबर को होने वाली अपनी बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है।सितंबर 2025 में हुए रेट रेशनलाइजेशन यानी तर्स्ज्ञ दरों में बदलाव के बाद सरकार अब नेक्स्ट-जनरेशन जीएसटी के तहत टैक्स प्रशासन को आसान बनाने और कारोबारियों को राहत देने पर काम कर रही है।ताव लाया जा रहा है?

जवाब- नए प्रस्ताव के तहत सीजीएसटी एक्ट की धारा 69 में संशोधन की तैयारी है। अब तक कमिश्नर लेवल की मंजूरी मिलने पर जीएसटी अधिकारी किसी व्यक्ति को सीधे गिरफ्तार कर सकते थे।नए बदलाव के बाद



अधिकारियों से यह पावर वापस ले ली जाएगी। अब किसी भी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट (न्यायिक मंजूरी) का आदेश अनिवार्य होगा।

सवाल- क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स की सीमा में क्या बदलाव होगा?

जवाब- वर्तमान में 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की टैक्स चोरी या फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम के मामलों में आपराधिक कार्रवाई और गिरफ्तारी की व्यवस्था है।

प्रस्ताव के अनुसार, क्रिमिनल केस चलाने की इस लिमिट को ?1 करोड़ से बढ़ाकर सीधे ?5 करोड़ करने की सिफारिश की गई है। यानी ?5 करोड़ से कम के मामलों में आपराधिक केस दर्ज नहीं होगा।

सवाल- क्या रूटीन टैक्स विवादों में भी अब जेल जाना पड़ सकता है?

जवाब- नहीं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन या इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूटीन विवादों को क्रिमिनल प्रोसीडिंग्स के दायरे से बाहर रखा जाएगा।कई बार किसी एक ट्रांजैक्शन की परिभाषा को लेकर बिजनेस और टैक्स अधिकारियों की राय अलग-अलग हो सकती है, ऐसे मामलों को अब क्रिमिनल ऑफेंस नहीं माना जाएगा।सवाल- जीएसटी अधिकारियों से अरेस्ट पावर वापस लेने की मुख्य वजह क्या है?

जवाब- जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू हुआ था, तब फेक इनवॉइस और टैक्स चोरी पकड़ने के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम मजबूत नहीं था। इसलिए गिरफ्तारी का डर जरूरी था। अब जीएसटी का सिस्टम बहुत मजबूत हो चुका है।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील की बातचीत में अब ज्यादा गुंजाइश नहीं



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर चल रही बातचीत ऐसी जगह पर आकर अटक गई है, जहां से आगे बढ़ना दोनों देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग के दौरान यह बात कही। ।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बात उस मोड़ पर पहुंच चुकी है जहां न तो भारत और छूट देने को तैयार है, और न ही अमेरिका। वित्त मंत्री ने कहा फिर भी अगर आगे बातचीत का कोई नया रास्ता निकलता है या गुंजाइश बनती है, तो दोनों देश उस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

व्यापार समझौते में हर देश चाहता है कि उसके किसानों, कंपनियों और व्यापारियों का नुकसान न हो। एक हद के बाद कोई भी देश अपनी शर्तों से पीछे नहीं हटना चाहता। इसका मतलब यह नहीं है ।



विदेशी साजिशों' की राजनीति

'विदेशी ताकतों की साजिश' एक राजनीतिक मुहावरा बन कर रह गया है। यह आज की राजनीति में ही नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी ने भी अपने प्रधानमंत्री काल के दौरान जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई को 'सीआईए एजेंट' करार दिया था। जब जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब राममनोहर लोहिया सरीखे समाजवादी नेता को भी 'विदेशी एजेंट' करार दिया गया था। भारत में ऐसा कोई भी प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसके कालखंड में 'विदेशी ताकतों की साजिश और हस्तक्षेप' के आरोप न लगाए गए हों। आज सत्तारूढ़ भाजपा यह आरोप नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी पर चस्पां करने में जुटी है। यहां तक बयान दिए गए हैं कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं, वहां संदिग्ध लोगों से मिलते हैं, उनके साथ साजिशें तैयार करते हैं और फिर भारत लौट कर देश-विरोधी एजेंडा लागू करते हैं। यह राजनीति मुद्दाहीन, नागरिक समस्याओं और संकटों से विरक्त और देश को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं लिया, लेकिन एक सार्वजनिक मंच से कहा कि 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को लॉन्च करने के लिए कुछ लोग देश की प्रतिष्ठा को ही मिट्टी में मिला देने पर तुले हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस को 'परजीवी' करार दिया और कहा कि कांग्रेस के एक परिवार से ही पार्टीवाले परेशान और दुखी हैं। कांग्रेस नेता जब अकेले में मिलते हैं, तो वे अपनी पीड़ा और अन्याय बयां करते हैं। आखिर एक ही 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को कितनी बार लॉन्च किया जाएगा? इतनी लॉन्चिंग तो श्रीहरिकोटा में भी नहीं होती, जितनी कांग्रेस में एक ही आदमी की हुई है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया जानती है कि कांग्रेस में वह परिवार और चेहरा कौन है और 'फेल्ड प्रॉडक्ट' किसे कहा जा रहा है? देश में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल गांधी की राजनीति को 'अराजक', 'हंगामाखेज' और 'तोड़फोड़ वाली' करार दिया जा रहा है।

(एक नजर)

सिंह राशि में गुरु का प्रवेश बदलेगा भाग्य

नवंबर का महीना कुछ राशि के जातकों के लिए आर्थिक मामलों में नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। नौकरी में तरक्की, आमदनी के नए रास्ते और कारोबार में मुनाफे के अवसर मिलने की संभावना जताई जा रही है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। गुरु को ज्ञान, भाग्य, समृद्धि और विस्तार का कारक माना जाता है, जबकि सिंह राशि नेतृत्व, आत्मविश्वास और प्रतिष्ठा से जुड़ी है। ऐसे में इस गोचर का असर कुछ राशियों के करियर और आर्थिक स्थिति पर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं किन 5 राशियों के लिए गुरु का यह राशि परिवर्तन शुभ माना जा रहा है। मेष राशि- आय बढ़ने के बन सकते हैं योग मेष राशि वालों के लिए गुरु का गोचर आर्थिक मामलों में सकारात्मक रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना बन सकती है। आमदनी बढ़ाने के लिए नए अवसरों पर काम करने का मौका मिल सकता है। परिवार में भी सुखद माहौल रहने की उम्मीद है। सिंह राशि- मजबूत हो सकती है आर्थिक स्थिति राशि में ही गुरु का प्रवेश होने से इस राशि के जातकों के आत्मविश्वास में वृद्धि होने की मान्यता है।

विचार

आखिर क्यों धधक रहा है फांस और अन्य यूरोपीय देश

कमलेश पांडे

लेकख

लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती।

भले ही फांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं।लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।इस सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं,



शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए।खिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया।इसी समय इटली में भी जीवन-यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनका स्वरूप अलग-अलग हैं। पहला, महँगाई, आवास और आर्थिक असुरक्षा- जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और रोजमर्रा के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन आय और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित महसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है।दूसरा, सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव- स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं।तीसरा, सामाजिक अलगाव और अवसरों में असमानता- कुछ शहरी और वंचित इलाकों में कमी असंतोष को गहरा सकती है। यदि नागरिकों को लगता है।

विचार

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग जमीनी स्तर पर हॉकी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

सत्येन्द्र पाल सिंह,

वरिष्ठ खेल पत्रकार और लेखक

छत्तीसगढ़ ने भारत को लेसली क्लाउडियस जैसा उधम सिंह के साथ ओलंपिक में तीन स्वर्ण व एक रजत सहित चार पदक जीतने वाला बेहतरीन राइट हाफ, 1978 में ब्यूनर्स आयर्स (अर्जेंटीना) में हॉकी विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही भारतीय टीम के बतौर सेंटर फॉरवर्ड विंसेंट लाकरा के साथ 2016 में रियो ओलंपिक में शिरकत करने वाली मिडफील्डर रेणुका यादव, 2002 के मैनचेस्टर राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण और 2006 में मेलबर्न में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सेंटर फॉरवर्ड सबा अंजुम करीम जैसी बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी दी है। साथ ही नीता डुमरे, मृणाल चौबे, बलविंदर कौर, रेणुका राजपूत और बलविंदर कौर व तनवीर जमां और शेख जाफर जैसे बेहतरीन अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी भी छत्तीसगढ़ की धरती से ही आते हैं। छत्तीसगढ़ के भारत के लिए खेलने वाले हॉकी खिलाड़ियों की यह संख्या उसके आदिवासी अंचल के गांवों में मौजूद हॉकी प्रतिभाओं के बावजूद उसके पड़ोसी ओडिशा और झारखंड जैसे देश के अन्य आदिवासी बहुल राज्यों से आने वाले हॉकी खिलाड़ियों की तुलना में खासी कम है। बहुत कम लोग शायद इस बात से वाकिफ होंगे कि हॉकी पर शाहरुख खान की चर्चित हॉकी फिल्म 'चक दे' इंडिया भारतीय महिला हॉकी टीम की 2002 में मैनचेस्टर राष्ट्रमंडल खेलों में सुनहरी कामयाबी से प्रेरित है।

चाहे वह क्रिकेट हो, हॉकी, कबड्डी, बैडमिंटन, खो खो, वॉलीबॉल और तीरंदाजी इन खेलों की पेशेवर लीग नेभारत का इन सभी खेलों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत टीमें तैयार करने में अहम रोल अदा किया है। खासतौर पर भारत के क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट में अपना एक खास मुकाम बनाने में इसकी दुनिया की सबसे महंगी लीग आईपीएल का सबसे अहम योगदान है। इतिहास गवाह है कि भारत में किसी भी खेल में पहली पेशेवर फ्रेंचाइजी आधारित पुरुष प्रीमियर हॉकी लीग (पीएचएल) 2005 में शुरू होकर 2007 तक चली बंद हो गई। फिर 2013 में हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) शुरू हुई और 2017 तक चली और बंद हो गई। हॉकी इंडिया ने इसके बाद 2024-25 में एक साथ पुरुषों के साथ महिला हॉकी लीग भी शुरू की। वहीं पहली टी 20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2008 में पुरुषों के लिए क्या शुरू हुई की यह क्रिकेट में भारत का सबसे बड़ा ब्रैंड बन गई। ओडिशा सरकार ने हॉकी इंडिया के साथ शुरू में पुरुष व महिला सीनियर और जूनियर हॉकी टीमों को 2018 से 2023 तक पांच बरस के डेढ़ सौ करोड़ रुपये सालाना करीब 30 करोड़ रुपये का प्रायोजन करार किया था, जिसे 2023 में इसे दस बरस के लिए बढ़ा कर 434.12 करोड़ रुपये कर दिया। अब भाजपा शासित ओडिशा सरकार के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे 2036 के लिए बढ़ा दिया।



अपने पड़ोसी ओडिशा से प्रेरणा लेकर भारतीय हॉकी को फिर शिखर पर पहुंचाने के क्रम में छत्तीसगढ़ ने हॉकी इंडिया के तत्वावधान में पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) के रूप में रायपुर के सरदार वल्लभभाई अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 21 अक्टूबर से 1 नवंबर तक पहली फ्रेंचाइजी आधारित आधिकारिक राज्य स्तरीय हॉकी लीग आयोजित की। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग है बेशक छत्तीसगढ़ हॉकी के भविष्य की नींव साबित होगी। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) छत्तीसगढ़ में हॉकी का एक मजबूत ढांचा विकसित करने का एक सार्थक प्रयास है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग दरअसल छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव विजन के तहत, राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ को हॉकी हब में बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। सीएचएल का मकसद छत्तीसगढ़ में जमीनी स्तर पर हॉकी का मजबूत ढांचा बनाने, हॉकी के उस्ताद तैयार करने के साथ राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के तैयार कर इसे बतौर करियर अपनाने के लिए प्रेरित करना है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) के 21 अक्टूबर को उदघाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए ठीक ही कहा कि यह लीग जमीनी स्तर पर हॉकी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के एंबेसडर पूर्व हॉकी ओलंपियन सरदार सिंह भी इस लीग को राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने और भारतीय हॉकी टीम में स्थान पाने की दावेदार का बढ़िया मंच मानते हैं।

सीएचएल के एंबेसडर सरदार सिंह ने कहा, 'छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के जरिए छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के हॉकी खिलाड़ियों को हॉकी में अपना पहचान बनाने के लिए मंच मुहैया करा रही है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग राज्य में जमीनी स्तर पर हॉकी प्रतिभाओं को तलाशने व तराशने का बड़ा मंच साबित हो सकती है। फिलहाल भारतीय हॉकी की नगोया(जापान) एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला और पुरुष हॉकी टीमों में जिस तरह पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के ही ज्यादातर खिलाड़ी हैं। छत्तीसगढ़ में खासतौर पर इसके आदिवासी अंचल में हॉकी की अपार प्रतिभाएं मौजूद हैं और जरूरत बस उन्हें तलाश कर तराशने की है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में जब राज्य के खिलाड़ी ललित उपाध्याय, गुरजंट सिंह, एसवी सुनील और शमशेर जैसे हॉकी ओलंपियन के साथ खेले तो उनका खुद का खेल निखरा ही उन्हें बड़े मंच पर खेलने का आत्मविश्वास भी मिला। राज्य स्तर सीएचएल जैसी बड़ी लीग में खेलने से मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले तीन चार बरस में देश छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ी भारत की विभिन्न हॉकी टीमों में खेलते दिखाई देंगे। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के जियो पर सीधे प्रसारण से बेशक हॉकी इंडिया में राष्ट्रीय हॉकी चयनकर्ताओं को विभिन्न प्रतिभाशाली हॉकी खिलाड़ी मिल सकते हैं।'

सीएचएल में शिरकत करने वाली छत्तीसगढ़ के अलग अलग शहरों की छह फ्रेंचाइजी आधारित टीमें हैं- राजधानी रॉयल्स, न्यायधानी नाइट्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, बैलाडीला बुल्स और मैनपाट टाइटंस। छत्तीसगढ़ हॉकी टीम में शिरकत करने वाली विभिन्न छह टीमों में हर टीम में राज्य के 18 खिलाड़ियों और राज्य के बाहर के चार अंतर्राष्ट्रीय अथवा राष्ट्रीय खिलाड़ियों सहित कुल 22 -22 खिलाड़ी हैं। सीएचएल में शुरू में सभी छह टीमें राउंड रॉबिन लीग में आपस में एक दूसरे के खिलाफ खेली और फिर शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और 1 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा।भारत को 2020 में टोक्यो और 2024 में पेरिस ओलंपिक में लगातार कांसा जिताने वाली टीम के हॉकी के कलाकार ललित उपाध्याय और गुरजंट सिंह के साथ 2020 ओलंपिक में कांसा जीतने वाली टीम के आक्रामक सेंटर हाफ शमशेर सिंह और फुलबैक सुरेन्दर कुमार तथा 2012 के लंदन ओलंपिक में खेलने वाले एसवी सुनील के साथ देवेंद्र वाल्मीकि और जसकरण सिंह जैसे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बतौर मार्की हॉकी खिलाड़ी सीएचएल में अलग अलग टीमों के लिए खेले। ललित उपाध्याय, गुरजंट और शमशेर, सुरेन्दर कुमार व एसवी सुनील जैसे कई पूर्व हॉकी ओलंपियनों के साथ राज्य की अलग अलग टीमों के लिए शिरकत करने से छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अपना हॉकी कौशल बेहतर करने का मौका मिला। सीएचएल में छत्तीसगढ़ के 108 और 24 मेहमान खिलाड़ियों ने शिरकत की। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की पुरुष टीमों के सभी 18 मैच और सेमीफाइनल और फाइनल रायपुर में होंगे । छत्तीसगढ़ में महिला हॉकी को बढ़ावा देने और उन्हें हॉकी बड़ी भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सीएचएल के आखिरी दिन महिलाओं का एक प्रदर्शनी मैच भी रखा गया। 2014 में अपनी कप्तानी में भारत को एशियाई खेलों का स्वर्ण जिताने वाले पूर्व हॉकी ओलंपियन सरदार सिंह छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के एंबेसडर हैं।सीएचएल के साथ सरदार सिंह का जुड़ाव युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने और भारत की हॉकी विरासत को मजबूत करने में मदद करेगा। सीएचएल की पहचान छत्तीसगढ़ की संस्कृति है। सीएचएल का शुभंकर 'बाघवा' बाघ से प्रेरित है, जबकि इसका नारा है और 'चलो रे संगी, हॉकी खेलबो' इस पहल के स्थानीय स्वरूप को दर्शाता है। साथ ही छत्तीसगढ़ के लोगों को हॉकी को बतौर खेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) में कुल पुरस्कार राशि 21 लाख रुपये है और इसमें खिताब जीतने वाली टीम को 11 लाख रुपये और उपविजेता टीम को छह लाख रुपये दिए जाएंगे। साथ ही इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को निजी तौर पर भी इनाम दिए जाएंगे।

विचार

कमजोर मानसून के बाद 2027 के लिए मौसम वैज्ञानिकों की बड़ी चेतावनी

नेहा जैन

लेखक

कोटेश्वरराव कुंडेती का लेख आने वाले सूखे का दावा करने के बजाय, उपलब्ध सबूतों के आधार पर संभावित जोखिमों का आकलन पेश करता है।

भारत में साल 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून खत्म हो चुका है, जिसके बाद देश भर में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही अलग-अलग इलाकों में बारिश के स्तर में बड़ा अंतर देखा गया है, जिससे खेती के लिए मिट्टी में नमी की कमी साफ नजर आ रही है।

तेजी से मजबूत हो रहे अल नीनो (श्वद्य ह्वद्वैश) के कारण साल 2027 की शुरुआत तक मौसम की स्थिति को लेकर चिंता और बढ़ गई है। हालांकि, किसानों और पानी का प्रबंधन करने वालों के लिए असल सवाल सिर्फ अल नीनो की ताकत नहीं है, बल्कि यह है कि क्या अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली बारिश मिट्टी की नमी को वापस ला पाएगी, स्थानीय जल स्रोतों को दोबारा भर पाएगी और सर्दियों की फसल (रबी सीजन) को सहारा दे पाएगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढस्छ) की रिपोर्ट के अनुसार, जून से सितंबर 2026 के दौरान भारत में 759।4 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि, लंबी



अवधि का औसत 868।6 मिमी रहता है। इस तरह कुल मिलाकर 109।2 मिमी (12।6त्न) की कमी रही।

क्षेत्रवार देखें तो दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में सामान्य की तुलना में सिर्फ 76त्न और पूर्वी व उत्तर-पूर्वी भारत में 74त्न बारिश हुई। वहीं, उत्तर-पश्चिम भारत में 94त्न और मध्य भारत में 97त्न बारिश दर्ज की गई। पूरे देश और इन क्षेत्रों के ये औसत आंकड़े जिला स्तर पर मौजूद बड़े अंतर को छुपा देते हैं, क्योंकि कम बारिश वाले क्षेत्रों के भीतर भी कुछ ऐसे इलाके रहे जहां सामान्य या उससे ज्यादा बारिश हुई।अल नीनो (श्वद्य ह्वद्वैश) के दौरान उष्णकटिबंधीय मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान असामान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिससे वहां की हवाओं के चक्र में बदलाव आता है। यह बदलाव हवाओं के दबाव और रुख को प्रभावित करके भारत के कुछ हिस्सों में नमी को कम कर देता है, जिससे दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर होने की संभावना बढ़ जाती है।हालांकि, मानसून के दौरान बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मौसम के बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव, हिंद महासागर द्विध्रुव और क्षेत्रीय हवाएं भी यह तय करती हैं कि कहां और कब बारिश होगी। हिंद महासागर की स्थितियां इस तरह के बदलावों को समझने में मदद करती हैं। अपनी स्थिति और मजबूती के आधार पर, आईओडी (ढ्ढह्वष्ठ- ढ्ढठ्ठस्रद्बड्डठ्ठ ह्लष्ट्रड्डठ्ठ ष्ठद्बश्चश्चद्यद्द) अल नीनो से होने वाले हवाओं के बदलावों को या तो और बढ़ा सकता है या फिर उनके असर को कम कर सकता है। मौसम विभाग के सितंबर के पूर्वानुमान के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के दौरान आईओडी के सामान्य रहने की उम्मीद जताई गई थी।अमेरिकी मौसम एजेंसी के क्लाइमेट प्रेडिक्शन सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पूर्वी-मध्य और पूर्वी हिस्सों में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। प्रशांत महासागर के ऊपर हवाओं का चक्र अल नीनो के अनुकूल बना हुआ है। अल नीनो लगातार मजबूत हो रहा है, और जनवरी से मार्च 2027 तक इसके ÷मजबूत से बेहद मजबूत÷ होने की 90त्न से भी अधिक संभावना है।

आईसीएआर के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की क्रीम्स लैब फसलों की स्थिति और नमी की कमी का आकलन करने के लिए एक खास सूखे सूचकांक का इस्तेमाल करती है।अगस्त के आखिर से सितंबर के मध्य 2026 की इसकी रिपोर्ट में जांचे गए कुल क्षेत्र का 19।34त्न हिस्सा (लगभग 2।9 करोड़ हेक्टेयर) मध्यम से लेकर भारी कृषि सूखे की चपेट में पाया गया। इसके अलावा, 55।6त्न हिस्से में हल्की नमी की कमी देखी गई। ये आंकड़े केवल रिपोर्ट की अवधि के दौरान की स्थिति को दर्शाते हैं; इनमें से कोई भी आंकड़ा कटी हुई फसल के अंतिम नुकसान का पक्का अनुमान नहीं है।राज्य स्तर पर सबसे चौंकाने वाले आंकड़े आंध्र प्रदेश से सामने आए हैं। इस रिपोर्ट की अवधि के दौरान, आंध्र प्रदेश का 74।1त्न हिस्सा मध्यम से भारी सूखे की श्रेणी में आ गया था। जबकि, इसकी तुलना में तमिलनाडु में 40।3त्न और कर्नाटक में 38।1त्न हिस्सा इस सूखे की चपेट में था। हालांकि, इस आंकड़े का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आंध्र प्रदेश की तीन-चौथाई फसल बर्बाद हो चुकी है, और न ही यह साबित होता है कि सूखे का यही स्तर अक्टूबर महीने में भी लगातार बना हुआ है।

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता







जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभः

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.

धनिया की उन्नत खेती

धनिया हमारे दैनिक उपयोग के मसालों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है जो पूरे वर्ष सम्पूर्ण देश में उगाया जाता है इसलिए पूरे वर्ष आय का साधन हो सकता है, हरी पत्तियां सब्जियों में उपयोग की जाती हैं। धनिया में मधुर सुगंध कोरोमिन्डाल, लिनाकोल, एल्कोहल पदार्थ उपस्थिति के कारण होता है। सूखे धनिया के बीजों को रबी में बोया जाता है। मध्यप्रदेश का 70 प्रतिशत धनिया गुना, अशोक नगर, शिवपुरी, दतिया जिले में उगाया जाता है इसके अलावा शाजापुर, मंदसौर, राजगढ़ जिलों में भी बोया जाता है। अधिक एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिये उन्नत तकनीक अपनाना आवश्यक है।





भूमि

असिंचित धनिया के लिये काली मिट्टी जिसकी जलधारण क्षमता एवं जल निकास वाली अच्छी भूमि हो और सिंचित धनिया बोने के लिए दोमट एवं बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है जिसमें जीवांश की मात्रा पर्याप्त हो।

खेत की तैयारी

असिंचित क्षेत्र में अंतिम वर्षा जल की नमी को संरक्षित करते हुए 2-3 जुताई कर यथाशीघ्र बुवाई करें तथा सिंचित खेत में खरीफ फसल की कटाई के बाद 2-3 जुताई करें।

बुवाई का समय

रबी में बुवाई के लिये 15 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक उपयुक्त समय है। देरी बुवाई करने पर भभूतिया रोग की संभावना बढ़ जाती है।

उन्नत जातियां

साधना,पंत हरितिमा, गुजरात धनिया, सिंधु,स्वाति, उदयपुर धनियां-20

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

खेत की तैयारी के समय 15-20 टन अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद खेत में मिला दें। सिंचित अवस्था में प्रति हेक्टर 60 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 30 किलोग्राम पोटाश पर्याप्त होता है। जिसमें नत्रजन की आधी मात्रा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ऊर कर दें तथा शेष नत्रजन की मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के समय दें उस समय खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

बीज की मात्रा एवं बुवाई विधि

सिंचित अवस्था में बीज दर 12-15 किलो ग्राम तथा असिंचित अवस्था में 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टर बीज की आवश्यकता होती है। जिसे बुवाई पूर्व बीज को 24 घंटे पानी में भिगो कर रखें जिससे अंकुरण शीघ्र और अच्छा होता है। इसके बाद थाइरम या डाइथेम -एम 45 की 3 ग्राम दवा से प्रति किलो बीज उपचारित कर बोयें। बुवाई कतारों में की जाती है जिसमें कतार से कतार की दूरी 25-30 सेमी, पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमी रखें और बीज को 3-5 सेमी गहराई पर बुवाई करें।

निंदाई एवं गुड़ाई

धनिये की फसल में प्रथम निराई गुड़ाई बुवाई के 25-30 दिन पर करना चाहिये जिसमें जहां अधिक पौधे उगे हों वहां से पौधे उखाड़ दें।

सिंचाई

अच्छी पैदावार के लिये फसल की क्रान्तिक अवस्थायें - जैसे शाखायें फूटते समय, फूल आते समय, बीज बनते समय खेत में पर्याप्त नमी होना चाहिए। सिंचाई 10-15 दिन के अंतराल पर करें जो मिट्टी की किस्म और मौसम पर निर्भर करता है।

फसल उत्पादन

धनिया की फसल बीज के लिये 140-150 दिन में तैयार हो जाती है। बीज के रूप में 15 से 20 क्विं. प्रति हेक्टर उत्पादन प्राप्त होता है। पत्तियों के रूप में बोने के 45 दिन पश्चात से पत्तियों की कटाई कर विक्रय किया जा सकता है।

धनिया कटाई के बाद प्रबंधन

- फसल अवधि पूर्ण होने के पश्चात जब दाने परिपक्व हो जाये एवं दाने हरे रहें तब उसे काटकर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए। दाने हरे रंग के रहने से बाजार में अधिक कीमत मिलती



न्यूज इन शॉर्ट

कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

बीजापुर । जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी बीजापुर में केन्द्र शासन एवं राज्य शासन के विभिन्न योजननांतर्गत जिले के युवाओं को ऑटोमोटिव सर्विस टेक्निशियन टू एंड थ्री व्हीलर (मोटरसायकल रिपेयरिंग) एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन (बिजली मिस्त्री) कोर्स में नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदाय करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिसमें आवासीय सुविधा के साथ-साथ प्रात: नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन की सुविधा भी प्रदाय किया जाएगा। प्रशिक्षण के साथ ही कम्प्यूटर एवं व्यक्तिव निर्माण की नि:शुल्क सामान्य कक्षा भी प्रदाय की जाती जाएगी जो कि सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक होती है। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार/स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। उक्त कोर्स में आवेदन करने हेतु कम से कम 8वीं कक्षा उर्तीण एवं 18 से 45 वर्ष तक आयु होना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदकों का कॉउसलिंग 13 नवम्बर 2026 को जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज, (एजुकेशन सिटी, ज्ञानगुडी) बीजापुर में आयोजन किया जाएगा। इच्छुक आवेदक 6264936726 एवं 9201340598 में संपर्क कर अथवा वाट्सएप्प मैसेज के माध्यम से पंजीएन करवा सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क है।

जनजातीय गौरव सप्ताह एवं रिफॉर्म उत्सव के तहत 11 से 18 नवंबर तक होंगे विविध आयोजन

नारायणपुर। जिले में 11 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक जनजातीय गौरव सप्ताह एवं रिफॉर्म उत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सप्ताहभर चलने वाले इन आयोजनों का उद्देश्य जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला एवं विरासत को प्रोत्साहित करना, जनजातीय महापुरुषों के योगदान को स्मरण करना तथा युवाओं और विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना है।जिला स्तरीय कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री चित्रकांत चाली ठाकुर को नोडल अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग सुश्री तुनुजा नाग को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 नवंबर बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत जनजातीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग एवं जनसंपर्क विभाग को सौंपी गई है।12 नवंबर गुरुवार को संस्थागत स्तर पर जनजातीय चित्रकला, नृत्य एवं लोकगायन से संबंधित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का आयोजन आश्रम एवं छात्रावास अधीक्षक-अधीक्षिकाओं के मार्गदर्शन में किया जाएगा।13 नवंबर शुक्रवार को मंडल एवं ब्लॉक स्तर पर जनजातीय नृत्य प्रतियोगिता, जनजातीय चित्रकला, लोकगायन तथा जनजातीय लोकनृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इसके सफल संचालन की जिम्मेदारी मंडल संयोजक एवं छात्रावास अधीक्षक को दी गई है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनजातीय अंचल की पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।14 नवंबर शनिवार को स्वच्छता अभियान के साथ जनजातीय संस्कृति एवं विरासत पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए आश्रम एवं छात्रावास अधीक्षक-अधीक्षिकाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही अपनी सांस्कृतिक परंपराओं एवं ऐतिहासिक विरासत के प्रति समझ विकसित की जाएगी।15 नवंबर रविवार को जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के साथ पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग एवं जनसंपर्क विभाग को सौंपी गई है।

सौर ऊर्जा से जगमगाया नारागांव, बना प्रदेश का पहला सोलर दीदी के माध्यम से ऊर्जीकृत ग्राम

सोलर दीदियों' की पहल से 150 से अधिक घरों में स्थापित हुए सोलर रूफटॉप सिस्टम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले का नारागांव स्वच्छ ऊर्जा, महिला सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता की दिशा में एक नई पहचान बना रहा है। जिले की 'सोलर दीदियों' के अथक प्रयासों और सामूहिक पहल से नारागांव प्रदेश का पहला ऊर्जीकृत गांव बनकर उभरा है। गांव के 150 से अधिक घरों में 2 किलोवॉट के सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 300 किलोवॉट विद्युत का उत्पादन हो रहा है। यह उपलब्धि न केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण है।



'सोलर दीदियों ने घर-घर पहुंचाया सौर ऊर्जा का संदेश'

नारागांव में सौर ऊर्जा के विस्तार में 'सोलर दीदियों' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन महिलाओं ने ग्रामीण परिवारों से संपर्क कर उन्हें सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी दी और घरों की छतों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, सामूहिक प्रयास और बेहतर स्व-प्रबंधन से यह पहल सफलतापूर्वक धरातल पर उतरी है। इससे ग्रामीण महिलाओं को विकास की प्रक्रिया में नेतृत्व करने का अवसर मिला है और गांव में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है।

'सोलर दीदियों के प्रयासों सामूहिक सहभागिता और स्व-प्रबंधन हासिल की सफलता'

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता इसका 'शून्य हितग्राही अंशदान और शून्य अतिरिक्त शासकीय सहयोग' मॉडल है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को सोलर रूफटॉप स्थापना के लिए अपनी ओर से कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी पड़ी है। सोलर दीदियों के प्रयासों, सामूहिक सहभागिता और स्व-प्रबंधन के माध्यम से इसे सफल बनाया है।

'स्वच्छ ऊर्जा से पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा'

सौर ऊर्जा के उपयोग से पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। नारागांव में घर-घर सोलर रूफटॉप की स्थापना से ग्रामीणों को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का अवसर मिल रहा है। यह पहल आने वाले समय में अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। सामुदायिक सहयोग और स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से विकास के नए रास्ते तैयार किए जा सकते हैं।

9 करोड़ 41 लाख रुपये का पारिश्रमिक सीधे बैंक खातों में अंतरित

दीपावली से पहले छत्तीसगढ़ के बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों को बड़ी सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले छत्तीसगढ़ के बुनकरों और सिलाई कार्य से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और ग्रामोद्योग मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के विशेष निर्देशों के तहत, राज्य सरकार ने बुनकर सहकारी समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को उनके श्रम का पारिश्रमिक जारी कर दिया है। इसके तहत कुल 9 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। समय पर भुगतान होने से इन परिवारों में दीवाली की खुशियां और अधिक दोगुनी हो गई हैं।

समय पर भुगतान से मजबूत हो रहा



स्थानीय हुनर- मंत्री श्री गजेन्द्र यादव

ग्रामोद्योग मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने इस संबंध में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों के कठिन परिश्रम का समय पर पारिश्रमिक भुगतान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार स्थानीय हुनर को रोजगार से जोड़कर बुनकरों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दीपावली से पहले पारिश्रमिक मिलने से उनके परिवारों के जीवन में उत्साह और समृद्धि का संचार होगा।

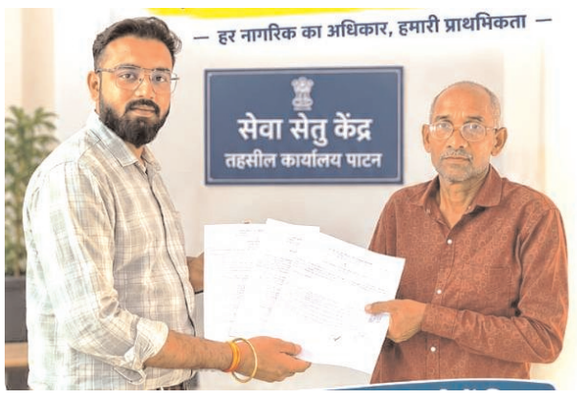
मंत्री श्री यादव ने आगे जोर देते हुए कहा कि वोकल फॉर लोकल की भावना को आत्मसात करते हुए बुनाई और गणवेश सिलाई के जरिए जमीनी स्तर पर सतत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार के दायरे को बढ़ाकर उनकी आय में वृद्धि करना सरकार का मुख्य ध्येय है।

9 करोड़ 41 लाख रुपये का पारिश्रमिक सीधे बैंक खातों में अंतरित:ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने बताया कि इसखातों में किया गया है।

'सेवा सेतु केंद्र बना आम नागरिकों के लिए राहत का माध्यम, रामशरण को एक ही स्थान पर मिले तीन प्रमाण पत्र'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर। आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में सेवा सेतु केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। दुर्ग जिले के पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम खोरपा निवासी श्री रामशरण यादव के लिए भी सेवा सेतु केंद्र सुविधाजनक साबित हुआ। उन्हें एक ही स्थान पर आवेदन करने से आय, जाति और निवास के तीन महत्वपूर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। श्री रामशरण यादव ने 03 सितंबर को तहसील कार्यालय पाटन स्थित सेवा सेतु केंद्र पहुंचकर आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 10 अक्टूबर 2026 को उन्हें तीनों प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। एक ही केंद्र से सभी प्रमाण पत्र मिलने के



कारण उन्हें अलग-अलग कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

'एक ही केंद्र में मिली सुविधा, रामशरण ने जताई खुशी'

श्री रामशरण यादव ने बताया कि पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में जाना पड़ता था। इससे समय और मेहनत दोनों अधिक लगते थे। सेवा सेतु केंद्र में एक ही स्थान पर आवेदन करने की सुविधा मिलने से यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है। उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाए बिना तीनों प्रमाण पत्र मिल गए। उन्होंने इस व्यवस्था पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को विशेष सहूलियत मिल रही है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नागरिकों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

'मेरा वोट, मेरी आवाज' प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हुए जागरूक

विवेकानंद महाविद्यालय में निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित, संजना कश्यप और दिशा लकड़ा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) द्वारा 'मेरा वोट, मेरी आवाज' विषय



पर निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. श्राबनी चक्रवर्ती के संरक्षण में आयोजित प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया, मताधिकार के महत्व एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित करना था।

महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब के समन्वयक शरणजीत कुजूर के निर्देशन तथा आयोजन समिति के प्रभारी रंजीत मणि सतनामी एवं अनुपा तिग्गा के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की संजना कश्यप ने प्रथम एवं बी.ए. पंचम सेमेस्टर के अनिरुद्ध पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की दिशा लकड़ा प्रथम तथा बी.एससी. पंचम सेमेस्टर के सुनील सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान के अधिकार एवं निष्पक्ष चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने ज्ञान और विचारों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक की जागरूक एवं जिम्मेदार भागीदारी आवश्यक है। इस आयोजन से विद्यार्थियों को मतदान के महत्व प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरणा मिली।

मुख्यमंत्री की पाती पाकर खिल उठा अनीता गुप्ता का चेहरा, महतारी वंदन की राशि से मनाएंगी दीपावली



एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मुख्यमंत्री ने डाक से भेजा शुभकामना संदेश, महतारी वंदन योजना की सहायता से छोटी दुकान शुरू कर आत्मनिर्भर बन रहीं अनीता

दीपावली से पहले मिली 33वीं किस्त से बढ़ी त्योहार की खुशी, मुख्यमंत्री ने की अनीता के स्वरोजगार के प्रयास की सराहना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से डाक के माध्यम से भेजी गई विशेष पाती मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम आमाखेरवा निवासी श्रीमती अनीता गुप्ता के लिए खुशियों का संदेश लेकर आई है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत शुभकामना पत्र भेजकर महतारी वंदन योजना की राशि से छोटी दुकान शुरू करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ाए गए उनके कदम की सराहना की है। मुख्यमंत्री की पाती और दीपावली से पहले योजना की 33वीं किस्त मिलने से अनीता की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने इस बार महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि से दीपावली का त्योहार मनाने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने पाती में की अनीता के प्रयासों की सराहना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने पत्र में अनीता गुप्ता को प्रिय बहन संबोधित करते हुए उन्हें एवं उनके परिवार को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का सदुपयोग कर छोटी दुकान शुरू करने के उनके प्रयास की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी दुकान के माध्यम से अनीता ने आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने उनके व्यवसाय की निरंतर प्रगति और परिवार के सुखमय एवं समृद्ध जीवन की कामना की है।

मुख्यमंत्री की पाती पाकर अनीता ने जताई खुशी

मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत शुभकामना संदेश मिलने पर अनीता गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके छोटे से प्रयास को मुख्यमंत्री द्वारा सराहा जाना उनके लिए गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिली है।

हसदेव नदी से रेत निकासी को लेकर जांच की मांग तेज

मनेन्द्रगढ़ खनिज विभाग की मेहरबानी या कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति
मेडिकल कॉलेज डीबी प्रोजेक्ट में हजारों ट्रैक्टर रेत भंडारण को लेकर उठे गंभीर

करोड़ों वर्ष पुराने गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क के अस्तित्व पर मंडराया खतरा,

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

एम.सी.बी.जिला मनेन्द्रगढ़ के खनिज विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। खनिज विभाग के अधिकारी दयानंद तिग्गा की भूमिका को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर शुरुआती कार्रवाई के बाद ऐसा क्या हुआ कि कथित रूप से बड़े पैमाने पर रेत का भंडारण और उपयोग जारी रहने के आरोप सामने आ रहे हैं?जानकारी के अनुसार, शुरुआत में खनिज विभाग द्वारा दबिश देकर कुछ लोगों पर जुर्माने की कार्रवाई भी की गई थी। उस समय लगा था कि अवैध रेत उत्खनन और भंडारण पर रोक लगेगी, लेकिन इसके बाद स्थिति में क्या बदलाव आया? क्या विभाग की कार्रवाई केवल खानापूर्ति बनकर रह गई? आखिर कार्रवाई के बाद भी कथित तौर पर हजारों ट्रैक्टर रेत



का भंडारण कैसे होता रहा?

मेडिकल कॉलेज डीबी प्रोजेक्ट में हजारों ट्रैक्टर रेत का मामला चर्चा में

मेडिकल कॉलेज डीबी प्रोजेक्ट परिसर में बड़े पैमाने पर रेत भंडारण होने की बात सामने आ रही है। स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में रेत कहां से लाई गई और इसके परिवहन एवं भंडारण के लिए कौन-कौन से वैध दस्तावेज उपलब्ध हैं?आरोप है कि दिन-रात ट्रैक्टरों और मशीनों के माध्यम से रेत परियोजना स्थल तक पहुंचाई जा रही है। यदि यह जानकारी सही है तो खनिज विभाग को इसकी निष्पक्ष जांच कर रेत के स्रोत, परिवहन दस्तावेज और भंडारण की वैधता स्पष्ट करनी चाहिए।

हसदेव नदी और गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क के अस्तित्व पर खतरा!:

सबसे गंभीर सवाल आमा खेरवा स्थित हसदेव नदी और करोड़ों वर्ष पुराने गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क को लेकर उठ रहे हैं। आरोप है कि डीबी प्रोजेक्ट के लिए हसदेव नदी क्षेत्र से रेत निकाले जाने और उसका उपयोग किए जाने की आशंका है।

जिस क्षेत्र की पहचान करोड़ों वर्ष पुराने भूवैज्ञानिक और जीवाश्मीय महत्व के कारण है, यदि वहां अनियंत्रित उत्खनन हुआ तो प्राकृतिक धरोहर को अपूरणीय नुकसान पहुंच सकता है।

आखिर किसकी अनुमति से नदी क्षेत्र में रेत निकासी की जा रही है? क्या संबंधित परियोजना को खनिज विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त है? क्या पर्यावरणीय और भूवैज्ञानिक विरासत की सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा है?

पहले कार्रवाई, फिर कथित चुप्पी क्यों?

बताया जा रहा है कि इस मामले को लेकर पूर्व में शिकायतें भी की गईं और खबर प्रकाशित होने के बाद खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई भी की गई थी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल